DEPARTMENT of POLITICAL SCIENCE BY - DR. A.K. Yadav
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR (Asstt. prof. - G.P.I.I)
Mo - 9415376545

B.A Part-II (HON'S), Paper-IV

[Comparative Government and Politics] Date - 18-07-20

Lecture.No.-11

तुलनात्मक राजनीति का अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र —

तुलनात्मक का अर्थ एवं परिभाषा →

तुलनात्मक राजनीति (Comparative Politics), राजनीति विज्ञान (Political Science) की एक शाखा है एवं एक विधि है, जो तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित है। तुलनात्मक राजनीति का जनक भी अरस्तू को ही माना जाता है। क्योंकि अरस्तू ने ही 158 देशों के संविधानों का तुलनात्मक अध्ययन करके राजनीति विज्ञान एवं तुलनात्मक राजनीति को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान किया था।

तुलनात्मक राजनीति को सामान्य अर्थ में हम कह सकते हैं कि इसमें दो या दो से अधिक देशों की राजनीति की तुलना की जाती है या एक ही देश की अलग-अलग समय या स्थान की राजनीति की तुलना की जाती है तथा यह अनुभव किया जाता है कि इसमें कितनी समानताएँ एवं असमानताएँ व्याप्त हैं अथवा इसमें अंतर क्या है? इन्हीं सभी बातों का एक व्यावहारिक स्तर पर सारगर्भित अध्ययन किया जाता है।

तुलनात्मक राजनीति के जनक अरस्तू ने शासकों की संख्या तथा राज्यों के उद्देश्यों को अपने वर्गीकरण का आधार बनाया। मैकियावली ने राजनीति के अध्ययन में नीति, न्याय जैसी अमूर्त धारणाओं को त्यागकर तर्क और अनुभववाद (Empiricism) पर अधिक बल दिया। मॉण्टेस्क्यू ने निरीक्षण (observational) और ऐतिहासिक (Historical) पद्धति का प्रयोग किया। कॉण्ट, हीगल, कार्ल मार्क्स आदि इतिहासवादियों ने सामाजिक गतिशीलता और विकासवादी सिद्धान्त पर बल दिया। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में औपचारिक वैधानिक संस्थाओं (Formal-legal structures) के अध्ययन पर बल दिया जाने लगा। 20वीं शताब्दी के आरम्भ में ऑग व जिंक की पुस्तक 'Modern Foreign Governments', मुनरो की रचना 'The Government of Europe' लास्की की रचना 'Parliamentary Government in England' व 'American Presidency'

Scanned with CamScanner

उत्पादि प्रकाशित हुई। इन रचनाओं में तुलनात्मक राजनीति को और अधिक व्यापक दृष्टिकोण से देखा गया। फिर भी ये अध्ययन एक ही सभ्यता संस्कृति तक सीमित थे। ये प्रतिनिध्यात्मक शासन प्रणालियों का ही अध्ययन करते थे और इनकी औपनिवेशिक व्यवस्थाओं के सुव्यवस्थित अध्ययन में रुचि नहीं थी। इन अध्ययनों में शासन प्रणालियों के गतिशील (Dynamic) कार्यों को समझने की चेष्टा नहीं की। फिर तुलनात्मक राजनीति के कुछ विद्वान इसे सकारात्मक रूप में परिभाषित करते हैं-

रॉल्फ ब्राइबन्टी के शब्दों में -" तुलनात्मक राजनीति सम्पूर्ण सामाजिक व्यवस्था में उन तत्वों की व्याख्या है राजनीतिक कार्यों एवं अनेक संस्थागत प्रकाशन को प्रभावित करते हैं।"

एडवर्ड फ्रीमैन ने कहा है कि -" तुलनात्मक राजनीति राजनीतिक संस्थाओं एवं सरकारों के विविध प्रकारों का एक तुलनात्मक विवेचन एवं विश्लेषण है।"

एम कर्टिस के अनुसार - " राजनीतिक संस्थाओं और राजनीतिक व्यवहार की कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण नियमितताओं, समानताओं और असमानताओं का तुलनात्मक राजनीति से सम्बन्ध है।"

एक अन्य विद्वान के अनुसार -
① " इसमें व्यवहारवादी और अनुभवमूलक परिप्रेक्ष्य को स्वीकार किया जाता है।"
② "वर्णन और विवेचन के स्थान पर विश्लेषण को अपनाया जाता है।"
③ "तुलनात्मक राजनीति का अन्य सामाजिक शास्त्रों से निकट का सम्बन्ध है।"

Date- 18.07.20

By- DR. A.K. Yadav (Pol. SC.)
Asstt Prof. (G.P.T.T)

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR, BIHAR.
B.A. Part-II (HON'S) Paper-IV

By- DR. A.K. Yadav
(Asstt Prof.)
(G.P.T.T.)
Mo- 9415376545

[Comparative Government and Politics]
Date — 18-07-20

तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति — Lecture-12

तुलनात्मक राजनीति के प्रकृति के संबंध में विद्वान एकमत नहीं है। कुछ विद्वान तुलनात्मक राजनीति को एक विज्ञान के रूप में मानते हैं तो कुछ इसे एक कला के रूप में। किंतु अधिकांश विद्वानों का मत है तुलनात्मक राजनीति के प्रकृति में सम्मिलित किये जाने वाले विषयों का अध्ययन वैज्ञानिक विधि द्वारा किया जाता है। तुलनात्मक विधि और विश्लेषण वैज्ञानिक विधि के ही महत्वपूर्ण अंग है। इसके अध्ययन के परम्परागत उपागमों, जो वास्तव में वैज्ञानिक तरीके नहीं थे, का स्थान अब उनके नये उपागमों- व्यवहारवादी, संरचनात्मक-कार्यात्मक विश्लेषणात्मक पद्धति आदि ने ले लिया है। अब तुलनात्मक राजनीति ने स्वतंत्र अनुशासन पद प्राप्त कर लिया है। इस विषय पर अधिकांश विद्वानों का मत भी एक है। तुलनात्मक राजनीति कोई कला नहीं है, जिस प्रकार कि राजनीति को एक कला कहा और माना जाता है।

तुलनात्मक राजनीति का विकास वैज्ञानिक ढंग से 20वीं सदी के सातवें दशक में हुआ है। वास्तव में तुलनात्मक शासन विषय तुलनात्मक राजनीति से पहले विकसित हुआ और उस पर अनेक ग्रन्थ व रचनाएँ पूर्वगामी शताब्दी में भी प्रकाशित हुईं। किंतु तुलनात्मक शासन जो कि अब तुलनात्मक राजनीति का ही एक प्रमुख है का अध्ययन भी वैज्ञानिक ढंग से और नये उपागमों के अनुसार तुलनात्मक राजनीति के साथ ही विकसित हुआ। तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन में राजनीति के सभी पहलुओं, शासन के सभी अंगो व उनकी प्रक्रियाओं और राजनीतिक पद्धति के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन को सम्मिलित किया जाता है। जैसा कि तुलनात्मक राजनीति के नाम से ही स्पष्ट संकेत मिलता है कि इस विषय के अध्ययन में अनेक प्रकार से राजनीति के विभिन्न पहलुओं की तुलनाएँ की जाती हैं। इन तुलनाओं का सम्बन्ध एक से अधिक राज्यों व सरकारों अथवा राजनीतिक पद्धतियों के किसी भी पहलू से हो सकता है

Scanned with CamScanner

यथा शासन के अंग, कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका तथा शासन पर प्रभाव डालने और उससे प्रभावित होने वाले और पर्यावरण, सामाजिक, आर्थिक व्यवस्थाओं, राजनीतिक संस्कृति एवं समाजीकरण, राजनीतिक विकास, राजनीतिक समूह व दल, जनसंचार के माध्यम, लोकमत, विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाएँ- विधायी, वित्तीय, निर्णय निर्माण करने वाली, अन्य प्रकार के राजनीतिक व्यवहार, निर्वाचन अभियान, मतदान, प्रदर्शन आदि विषयों का अध्ययन उसकी प्रकृति के अन्तर्गत समाहित है। जिसके परिणाम स्वरूप तुलनात्मक की स्वरूप अत्यन्त व्यापक हो जाता है।

यद्यपि तुलनात्मक राजनीति के प्रकृति के निर्धारण में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद राजनीतिशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन काफी लोकप्रिय हो गया है। दिन-प्रतिदिन उसकी कमियों को दूर करने का प्रयास निरंतर किया जा रहा है और इसे अधिक से अधिक पूर्ण बनाने की कोशिश भी की जा रही है।

BY — DR. A.K. Yadav (Pol.Sc)
(Asstt prof. G.P.T.C)